मोदी के नाम बना शासन प्रमुख का कीर्तिमान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को दी बधाई

भोपाल,22 मार्च. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज भारत में सर्वाधिक समय तक शासन प्रमुख के रूप में सेवा का कीर्तिमान स्थापित करने पर बधाई दी है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के नागरिक प्रधानमंत्री मोदी के प्रति निरंतर स्नेह, विश्वास और समर्थन की भावना को अभिव्यक्त कर रहे हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के शासन करने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा है. उनके सार्वजनिक जीवन के 8931 दिन गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में दर्शाते हैं कि उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करते हुए अपनी भूमिका को यादगार बनाया है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के ध्येय के साथ गरीब कल्याण से लेकर वैश्विक मंच पर हर क्षेत्र में देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है. प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने देश को विकास और सुशासन की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि मां भगवती प्रधानमंत्री श्री मोदी को ऊर्जावान बनाए रखें. संपूर्ण विश्व में भारत की साख बढ़ाने वाले हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारा राष्ट्र निरंतर प्रगति, समृद्धि और वैभव के पथ पर अग्रसर बना रहेगा.

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के दायित्व की वर्षवार अवधि की चर्चा करें तो वे वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे. वर्ष 2002 में गुजरात विधानसभा के निर्वाचन के बाद वे दूसरी बार, वर्ष 2007 में तीसरी बार और वर्ष 2012 में चौथी बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने. श्री मोदी वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त कर प्रधानमंत्री बने. वर्ष 2019 में पहले से भी बड़े जनादेश के साथ उनकी वापसी हुई और वे दूसरी बार प्रधानमंत्री बने. श्री मोदी ने वर्ष 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री बन कर इतिहास रचा.

मुख्यमंत्री यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों से आज करेंगे संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यूपीएससी परीक्षा में चयनित होकर देश भर में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 61 अभ्यर्थियों से सोमवार को संवाद कर उनका सम्मान करेंगे. कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थी, अपनी मेहनत, संघर्ष और सफलता की कहानियां मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ सांझा करेंगे. कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार 23 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में किया जा रहा है. कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित सफलता के मंत्र कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उच्च शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई प्रतिभाओं का परचम पुसतिका एवं डिजिटल वर्जन का विमोचन करेंगे. कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन उपस्थति रहेंगे.

पुलिया से गिरी बाइक, चार की मौत

- बिना बैरिकेडिंग की पुलिया पर हुआ हादसा

मंडला, 22 मार्च. जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र में शनिवार रात सड़क हादसे में चार बाइक सवार युवकों की मौत हो गई. हादसा भैंसवाही और टिकराटोला के बीच एक जर्जर पुलिया से गिरने के कारण हुआ.

स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि यह पुलिया पिछली बरसात में टूट गई थी, लेकिन इसका निर्माण या मरम्मत अब तक नहीं कराई गई.

हादसे के समय पुलिया के दोनों ओर न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था. अंधेरे में तेज रफ्तार बाइक सवार युवक पुलिया से नीचे गिर गए. वे नीचे रखे सीमेंट पाइप से टकरा गए, जिससे चारों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार नरेती (24), संतलाल उइके (23), शिवम यादव (17) और गंगाराम उइके (22) के रूप में हुई है. रविवार को बीजाडांडी स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.

शिकायत के बाद भी एक्शन नहीं

स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. भैंसवाही निवासी नन्ने सिंह परस्ते ने बताया कि पुलिया टूटने के बाद कई बार शिकायतें की गईं, जिसमें 181 हेल्पलाइन पर भी सूचना देना शामिल है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. ग्रामीणों ने ही आवागमन के लिए अस्थायी रास्ता बनाया था.

उज्जैन के सांदीपनी वेद विद्या संस्थान में छात्र की बेरहमी से पिटाई

- शिक्षक पर दर्ज किया प्रकरण

उज्जैन. प्रतिष्ठित महर्षि सांदीपनी राष्ट्रीय वेदविद्या संस्थान में अनुशासन के नाम पर छात्र के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है. सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में शिक्षक दत्तदास शेवड़े एक छात्र को डंडे से बेरहमी से पीटते नजर आ रहा है.

बताया जा रहा है कि दूसरे के बिस्तर पर सोने जैसी छोटी सी बात पर वार्डन की जिम्मेदारी संभाल रहे शिक्षक ने छात्र पर जमकर छड़ियां बरसाईं, जिससे वह दर्द से चीखता रहा. भारत सरकार के अधीन संचालित इस आवासीय संस्थान में हुई इस हिंसक घटना ने सनसनी फैला दी है, हालांकि प्रबंधन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है. पुलिस ने शिक्षक दत्तदास शेवड़े के खिलाफ बीएस की धारा 115, 296 (2) के साथ किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75, 82 में प्रकरण दर्ज कर लिया. शिक्षक को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया जा सकता है.

रेलवे कर्मचारियों के भत्ते बढ़े, बड़ा फायदा

भोपाल. भारतीय रेल ने कर्मचारियों के कल्याण को मजबूत करते हुए रनिंग स्टाफ के भत्तों में संशोधन किया है. 1 जनवरी 2024 से महंगाई भत्ते (ष्ठ) में 50% वृद्धि के बाद किलोमीटर भत्ता और एएलके की दरें बढ़ाई गई हैं. इस फैसले से लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, फायरमैन, गार्ड (अब ट्रेन मैनेजर) समेत हजारों कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा. नई दरों के तहत मेल लोको पायलट को प्रति 100 किमी ?606 और एएलके ?969 मिलेगा, जबकि पैसेंजर और गुड्स स्टाफ को भी बढ़ी दरों का फायदा होगा. ट्रैफिक रनिंग स्टाफ, जैसे मेल/एक्सप्रेस गार्ड और गुड्स गार्ड के भत्तों में भी वृद्धि की गई है.

मध्यप्रदेश में बारिश थमी, अब तेज गर्मी

98 घंटे सक्रिय सिस्टम के बाद मौसम साफ

26 मार्च से फिर बदलेगा मिजाज

भोपाल , 22 मार्च. मध्य प्रदेश में पिछले 98 घंटे यानी चार दिनों तक सक्रिय रहे मजबूत मौसम सिस्टम का असर अब खत्म हो गया है.

इस दौरान प्रदेश के 45 जिलों में आंधी और बारिश का दौर चला, जबकि 17 जिलों में ओलावृष्टि भी दर्ज की गई. अब मौसम साफ हो गया है और आने वाले चार दिनों तक प्रदेश में कहीं भी आंधी-बारिश का अलर्ट नहीं है. मौसम विभाग ने इस दौरान तेज गर्मी बढ़ने की चेतावनी दी है.

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 26 मार्च से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिससे प्रदेश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में फिर हल्की बूंदाबांदी और बादल छाने की संभावना बन सकती है.

इससे पहले शनिवार को राजधानी भोपाल सहित कुछ जिलों में बादल छाए रहे, जिससे दिन के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई. तापमान की बात करें तो पचमढ़ी में सबसे कम 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं रीवा और दतिया में 28.2 डिग्री, नौगांव-सतना में 28.3, सिवनी में 28.4 और टीकमगढ़-सीधी में 28.6 डिग्री रहा. बड़े शहरों में भोपाल में 29.4, जबलपुर में 29.5, इंदौर में 30.6, ग्वालियर में 28.4 और उज्जैन में 31.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया.

गली-मोहल्लों के बाद अब सर्विस रोड के मकान आए चौड़ीकरण की जद में

- इन्दौर -उज्जैन मार्ग पर नोटिस चस्पा इंजीनियरिंग कॉलेज से हरिफाटक तक
- चौड़ीकरण

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ के तहत सड़कों के चौड़ीकरण की कार्रवाई अब गली-मोहल्लों और चौराहों के बाद सर्विस रोड तक पहुंच गई है. शहर के कई प्रमुख मार्गों पर मकान और दुकानों के बाहर नोटिस चस्पा कर दिए गए हैं. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क चौड़ीकरण के लिए जिन निर्माणों का हिस्सा प्रभावित हो रहा है, उन्हें सात दिन के भीतर स्वयं हटाने का समय दिया गया है.

सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन में बड़े स्तर पर सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है. अनुमान है कि सिंहस्थ में करीब 30 करोड़ श्रद्धालु देश-विदेश से

उज्जैन आएंगे. महाकाल मंदिर से लेकर मोक्षदायिनी शिप्रा में स्नान, साधु-संतों के पढ़ाव क्षेत्र और विभिन्न धार्मिक स्थलों तक श्रद्धालुओं की आवाजाही इसी मार्ग से होगी. यही कारण है कि शहर के मुख्य मार्गों को चौड़ा और व्यवस्थित किया जा रहा है ताकि आने वाले वर्षों में यातायात सुगम हो सके.

हरिफाटक सर्विस रोड तरफ नोटिस: इंदौर से उज्जैन को जोड़ने वाली सड़क को सिक्स लेन बनाने की योजना पर भी काम चल रहा है. इस परियोजना का भूमि पूजन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया गया था. इसके बाद नगरीय सीमा में आवश्यक जमीन उपलब्ध कराने के लिए उज्जैन नगर निगम ने मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) के माध्यम से प्रभावित संपत्तियों को नोटिस जारी किए हैं. इंजीनियरिंग कॉलेज से हरिफाटक तक सड़क किनारे बने मकान, दुकान और अन्य निर्माणों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

45 मीटर रोड होगी चौड़ी: नगर निगम द्वारा जारी सूचना पत्र के अनुसार इंदौर-उज्जैन मार्ग पर फ्रीगंज से लाल गेट तक सड़क की चौड़ाई 45 मीटर निर्धारित की गई है. इसी मानक के अनुरूप सड़क को चौड़ा किया जा रहा है. नोटिस में बताया गया है कि मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित भूमि का हिस्सा नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 305 के अंतर्गत निगम में निहित माना जाएगा और संबंधित मालिकों को सात दिन के भीतर प्रभावित भाग खाली करना होगा.

दस्तावेजों के साथ जल्द मिलें: नोटिस में यह भी प्रावधान बताया गया है कि यदि कोई भू-स्वामी सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अपनी भूमि का हिस्सा देता है तो उसे मप्र भूमि विकास नियम 2012 के तहत अतिरिक्त एफएआर का लाभ मिल सकता है. इसके लिए संपत्ति से जुड़े आवश्यक दस्तावेज सात दिनों के भीतर निगम में प्रस्तुत करने को कहा गया है.

इंजीनियरिंग कॉलेज से हरी फाटक तक नटिस : नवभारत से चर्चा में नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इंजीनियरिंग कॉलेज से महामृत्युंजय द्वार तक और हरिफाटक से शांति पैलेस चौराहे तक मकान और दुकान मालिकों को नोटिस दिए गए हैं. इसके अलावा इंद्रालय से शिवालय तक तथा महाराज ढाबे से विक्रमादित्य होटल के सामने तक की पट्टी में भी अलग-अलग चरणों में नोटिस बांटे गए हैं.

आज का नुकसान कल का फायदा

अधिकारियों का कहना है कि यदि मकान मालिक स्वयं अपने निर्माण का प्रभावित हिस्सा हटा लेते हैं तो नुकसान कम होगा और तोड़फोड़ की जरूरत भी कम पड़ेगी. हालांकि लोगों को इससे असुविधा और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, प्रशासन का कहना है कि भविष्य की जरूरतों और सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन को देखते हुए सड़क चौड़ीकरण जरूरी है. चौड़ी सड़कें बनने से आने वाले समय में शहर के यातायात, व्यापार और धार्मिक पर्यटन को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है.

जीन्स पहनकर ड्यूटी करने पर तीन आरक्षक निलंबित

शहडोल. शहडोल रेंज के आईजी एन. चैत्रा ने ड्यूटी के दौरान जीन्स पहनने पर तीन आरक्षकों को निलंबित कर दिया है. इन आरक्षकों को पहले भी वर्दी संबंधी निर्देशों का पालन करने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन उन्होंने आदेशों की अनदेखी की. आदेश के अनुसार प्रवीण कुमार तिवारी, परवेज खान और गौरव सिंह को पूर्व में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि ड्यूटी के दौरान जीन्स नहीं पहनें, इसके बावजूद उन्होंने नियमों का उल्लंघन किया. इस पर कार्रवाई करते हुए आईजी ने तीनों आरक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. साथ ही मामले की प्राथमिक जांच के लिए एसडीओ धनपुरी को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है.

पूर्व उप संचालक जेपी सरवटे के खिलाफ चालान पेश

जबलपुर, 22 मार्च. मध्य प्रदेश शासन के आदिम जाति कल्याण विभाग के पूर्व उप संचालक, जगदीश प्रसाद सरवटे के विरुद्ध अपराध से आय अर्जित करने के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम 2002 के तहत विशेष न्यायालय पीएमएलए जबलपुर के समक्ष प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने चालान पेश किया है.

ईडी ने सरवटे के खिलाफ अभियोजन शिकायत दायर की थी. न्यायालय के पूर्व आदेश पर जगदीश सरवटे हाजिर हुए. कोर्ट ने अभियोजन शिकायत और अन्य दस्तावेज की प्रति उन्हें देने के निर्देश दिये है.

दरअसल, ईडी ने आर्थिक अपराध विंग जबलपुर द्वारा भ्रष्टाचार की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी. सरवटे पर आरोप है कि उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में कार्य करते हुए एक जनवरी 2015 से 20 जून 2025 की अवधि के दौरान अपनी आय के ज्ञात स्रोतों के अनुपात से अधिक संपत्ति अर्जित की. जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी ने भ्रष्ट तरीकों से अपराध से अर्जित आय उत्पन्न की थी और बाद में अवैध नगदी को बैंकिंग प्रणाली में डालकर भोपाल, मंडला, उमरिया और सिवनी जिलों में स्थित कई अचल संपत्तियों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को खरीदने में निवेश किया. ईडी ने कुल 11.81 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित आय की पहचान की है, जो उन संपत्तियों का मूल्य दर्शाती है, जिनमें अवैध धन का निवेश किया गया था.

ग्वालियर रेंज के डीआईजी ने की पुलिसकर्मियों से पूछताछ

गुना, 22 मार्च. जिले के बहुचर्चित 'नोटकांड' के मामले में नोटकांड की परतें उधेड़ने के लिए ग्वालियर रेंज के डीआईजी अमित सांघी स्वयं मैदान में उतरे. बताया जा रहा है कि शनिवार की पूरी रात डीआईजी सांघी ने संदिग्ध पुलिसकर्मियों से आमने-सामने कड़ी पूछताछ की.

उनकी पैनी नजरों और तीखे सवालों के घेरे में आने के बाद प्रारंभिक जांच में भूमिका संदिग्ध पाई गई, जिसके तुरंत बाद निलंबन की कार्रवाई को अंजाम दिया गया.

इसके बाद धरनावदा थाना प्रभारी प्रभात कटारे सहित प्रधान आरक्षक देवेंद्र सिंह सिकरवार, आरक्षक साजिद हुसैन और सुंदर रमन को भी सस्पेंड कर दिया गया है.

शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में पहली बार लेजर पद्धति से ऑपरेशन

शिवपुरी, 22 मार्च. शिवपुरी के मेडिकल कॉलेज में पहली बार लेजर पद्धति से ऑपरेशन किए गए. मेगा स्वास्थ्य शिविर के दौरान प्रसिद्ध लेजर एवं लेप्रोस्कॉपी सर्जन द्वारा मरीजों का सफल उपचार किया गया.

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. डी. परमहंस ने बताया कि शिविर में जिन मरीजों का ऑपरेशन आवश्यक था और जिनकी लेजर सर्जरी संभव थी, उनका उपचार इस आधुनिक पद्धति से किया गया. लेजर सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. राम गोयल ने अपनी टीम के साथ यहां पहुंचकर शनिवार शाम मरीजों का ऑपरेशन किया.

उन्होंने बताया कि लेजर पद्धति में घाव कम होता है और खून भी कम निकलता है, जिससे मरीज की रिकवरी तेजी से होती है. इस तकनीक के उपयोग से मरीजों को कम समय में बेहतर उपचार मिल रहा है.

डॉ. परमहंस ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में पहली बार एक मरीज की प्लास्टिक सर्जरी भी की गई है. पहले इस तरह के उपचार के लिए मरीजों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था. उन्होंने बताया कि डॉ. गोयल ने जोधपुर से अपनी टीम के साथ आकर अब तक ग्रामीण क्षेत्र के चार मरीजों का इस पद्धति से सफल उपचार किया है.

पेज एक का शेष

पीएम मोदी ने फिर बनाया रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को वडनगर, गुजरात में हुआ था. उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचारक के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की. 1985 में भाजपा में शामिल होकर उन्होंने पार्टी संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया. नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला. वह गुजरात के चार बार मुख्यमंत्री रहे. 2001, 2002, 2007 और 2012 विधानसभा चुनावों के बाद गुजरात सरकार का नेतृत्व किया. मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल 22 मई 2014 तक रहा. लगभग 12 वर्ष और 7 महीने तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे. नरेंद्र मोदी भारत के 14वें और वर्तमान प्रधानमंत्री हैं, जो 26 मई 2014 से लगातार पद पर बने हुए हैं. जून 2024 में उन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली. वे लगातार तीसरी बार जीतने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने 4,000 से अधिक दिनों तक पद पर रहकर सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्रियों में अपना स्थान बनाया है.

चिंतन | पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बौद्धिक सम्मेलन को किया संबोधित

शिक्षा और संवैधानिक मूल्यों में गिरावट का आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, 22 मार्च. मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार को भोपाल में आयोजित बहुजन बौद्धिक शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के पालन को लेकर चिंता व्यक्त की.

इस कार्यक्रम में गुरदीप सिंह सप्पल, उदयन वाजपेयी, बादल सरोज, किरण अहिरवार सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे. सम्मेलन में संविधान के सिद्धांतों, सामाजिक न्याय, समानता तथा देश और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई. सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के कारण मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई है. उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में बच्चों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है. आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि छात्र नामांकन लगभग 1.5 करोड़ से घटकर करीब 1 करोड़ रह गया है, जिससे लगभग 50 लाख बच्चे शिक्षा से बाहर हो गए हैं. बजट में वृद्धि के बावजूद गुणवत्ता और पहुंच में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ. उन्होंने ग्रामीण शिक्षा की स्थिति पर भी चिंता जताई और कहा कि प्रदेश की लगभग 80 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जहां शिक्षा सुविधाएं कमजोर हैं. शिक्षकों पर बार-बार परीक्षा संबंधी कार्यभार डालने का भी उन्होंने विरोध किया.

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय शिक्षक प्रशिक्षण की पहल से शिक्षा स्तर में सुधार हुआ था.

पटवारी ने केंद्र सरकार पर संवैधानिक जवाबदेही कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं हो सकता.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60